Toppersnotes
Unleash the topper in you

हिमाचल प्रदेश
पटवारी

Revenue Department of Himachal Pradesh

भाग – 3

भारत एवं हिमाचल प्रदेश का सामान्य ज्ञान एवं कम्प्यूटर

SIERRA INNOVATIONS

HIMACHAL PRADESH PATWARI

विषय सूची

भारतीय इतिहास
प्राचीन इतिहास

1.	प्रागैतिहासिक काल	1
2.	सिन्धु घाटी सभ्यता	2
3.	वैदिक सभ्यता	5
4.	बौद्ध धर्म एवं जैन धर्म	9
5.	महाजनपद काल	11
6.	मौर्य काल	13
7.	मौर्योत्तर काल	15
8.	गुप्त काल	16
9.	गुप्तोत्तर काल	18

मध्यकालीन भारत

1.	भारत पर मुस्लिम आक्रमण	21
2.	सल्तनत काल	21
3.	मुगल काल	26
4.	भक्ति एवं सूफी आन्दोलन	31
5.	मराठा उदभव	33

आधुनिक भारत का इतिहास

1.	भारत में यूरोपीयन कम्पनियों का आगमन	35
2.	बंगाल और अंग्रेज	37
3.	मराठा शक्ति का उत्कर्ष	37
4.	अंग्रेजों की भू-राजस्व नीतियाँ	39
5.	आंग्ल-मैसूर संघर्ष	40
6.	आंग्ल-सिक्ख संघर्ष	41
7.	गवर्नर जनरल	42

8.	भारत के वायसराय	44
9.	1857 की क्रांति	46
10.	धर्म एवं समाज सुधार आन्दोलन	47
11.	राष्ट्रीय आन्दोलन	49
12.	गाँधी युग	53
13.	भारत में क्रान्तिकारी संगठन	60

भारतीय संविधान

1.	संविधान का विकास	62
2.	संविधान की पृष्ठभूमि	63
3.	संविधान के भाग	65
4.	अनुसूचियां	77
5.	प्रस्तावना	78
6.	संघ	79
7.	संसदीय समितियाँ	88
8.	न्यायपालिका	89
9.	राज्य	91

भारतीय भूगोल

1.	भारत की स्थिति एवं विस्तार	106
2.	भारत के भौगोलिक भू-भाग	108
3.	भारत का अपवाह तंत्र	114
4.	जैव-विविधता एवं संरक्षण	119
5.	भारत की मृदा	126
6.	जलवायु	127
7.	भारत में खनिज	128
8.	भारत के प्रमुख उद्योग	131
9.	भारत में परिवहन	134
10.	भारत में कृषि	138
11.	भारत की जनजातियाँ	141

हिमाचल प्रदेश

1.	हिमाचल प्रदेश : सामान्य परिचय	144
2.	प्रदेश का गठन	145
3.	प्रदेश का प्रशासनिक ढांचा	148
4.	जनसंख्या	151
5.	भौगोलिक रूपरेखा एवं जलवायु	153
6.	प्रदेश के जिलो की सामान्य जानकारी	153
7.	नदिया, झीले, घाटियाँ, हिमनदियाँ एवं झरने	160
8.	कृषि, बागवानी एवं पशुपालन	163
9.	उद्योग	165
10.	पर्यटन स्थल	166
11.	प्रमुख विद्युत परियोजनाएँ	168
12.	प्रदेश की जातियाँ, वेशभूषा, आभूषण एवं बोलियाँ	170
13.	रियासत एवं संस्थापक	171
14.	त्योहार एवं मेले	172
15.	लोकनृत्य, लोकगीत एवं धार्मिक स्थल	176
16.	प्रदेश की प्रमुख पुस्तके एवं लेखक	178
17.	प्रमुख शिलालेख, ऐतिहासिक किले एवं संस्थान	179
18.	प्रदेश का इतिहास	180
19.	ऐतिहासिक तिथियां	181

❖ कम्प्यूटर अध्ययन 184

मध्यकालीन भारत

भारत पर अरब आक्रमण

712 AD मे मोहम्मद बिन कासिम ने सिंध के राजा दाहिर सेन को हराया। दाहिर एवं उसका पुत्र जयसिंह लडते हुए मारे गए; भारत पर प्रथम मुस्लिम एवं प्रथम अरब आक्रमणकारी था

- रावर के युद्ध में बौद्ध भिक्षुओं ने कासिम की मदद की।
- कासिम ने पहली बार सिन्ध में 'जजिया कर' लगाया
- इसकी जानकारी हमें "चचनामा" से मिलती है। (चच दाहिर का पिता था) सिन्ध के इतिहास की जानकारी इस पुस्तक से मिलती है।

तुर्क आगमन (आक्रमण)

महमूद गजनवी :-

- प्रथम तुर्क आक्रमणकारी जिसने भारत पर आक्रमण किया।
- सुल्तान की उपाधि धारण करने वाला प्रथम शासक था।
- 'गाजी' को उपाधि धारण की।
- 'बुत शिकन' (मूर्ति भंजक) की उपाधि धारण की।
- जिहाद (धर्म युद्ध)/जेहाद का नारा दिया।
- आक्रमण का वास्तविक उद्देश्य भारत की सम्पन्नता या लूट था।

आक्रमण :-

1. पहला आक्रमण काबुल - 1000 AD
2. मुल्तान पर आक्रमण 1005 AD
3. नारायणपुर (अलवर) पर आक्रमण 1009AD
4. थानेश्वर (हरियाणा) 1014AD
5. कश्मीर पर 1016AD- पहला असफल आक्रमण
6. कन्नौज व मथुरा - 1018-19AD
7. प्रभास पट्टन (सोमनाथ) पर आक्रमण 1026 AD में भीम प्रथम (चालुक्य) शासक।
8. 1027 में जाटों पर अन्तिम आक्रमण

मोहम्मद गौरी :-

- मूलतः गौर प्रान्त के थे इसलिए गौरी कहलाये
- 1175 ई. में मुल्तान पर आक्रमण।
- 1178 ई. में गुजरात पर आक्रमण
- गुजरात पर मूल द्वितीय या भीम द्वितीय का शासन था। वास्तविक शक्तियाँ उसकी माता नायिका देवी के पास थी।
- आबू की तराई में गौरी की सेना बुरी तरह पराजित हुई।

1191 ई. में तराईन का प्रथम युद्ध

गौरी बनाम पृथ्वीराज चौहान (विजय हुआ)

- 1191 ई. में तराईन का द्वितीय युद्ध
- पृथ्वीराज मारा गया।
- गोविन्द राज इस समय दिल्ली का गवर्नर था

1194 ई. में चन्दावर का युद्ध

- गौरी बनाम जयचन्द (कन्नौज)
- गौरी जीत गया।
- मोहम्मद गौरी ने कुतुबुद्दीन ऐबक को विजित क्षेत्रों का गवर्नर नियुक्त किया एवं स्वयं गजनी (गौर) चला गया।
- 1205AD- खोखरों के विरूद्ध अभियान
- गौरी घायल हो गया एवं 1206 में उसकी मृत्यु हो गई।
- गौरी ने मौहम्मद बिन साम नाम के सिक्के चलाऐ जिन्हे देहलीवाल सिक्के कहा जाता है।
- सिक्को पर देवी लक्ष्मी का चित्र मिलता है।

सल्तनत काल (1206 -1526)

मामूलक/गुलाम वंश :-

इस वंश के सभी प्रमुख शासक गुलाम (मामूलक) वंश के थे इसलिए इसे गुलाम वंश कहा गया

1. कुतुबद्दीन ऐबक (1206-1210) :-

- वास्तव में 1192 से 1210 ई. तक पहले गवर्नर था, बाद में शासक बना।
- ऐबक का शाब्दिक अर्थ -"चन्द्रमा का स्वामी"

ऐबक की उपाधियाँ :-

- कुरान खाँ
- लाख बक्श (लाख)
- हातिम द्वितीय

- पील (हाथी) बक्श (बख्श)

ऐबक की राजधानी – लाहौर

- कुतुबुद्दीन ऐबक ने सुल्तान की उपाधि धारण नहीं की थी ।
- अपने नाम के सिक्के नहीं चलाये ।
- 1210 ई. में लाहौर में चौंगान (पोलो) खेलते समय घोडे से गिरकर मौत हो जाती है ।

2. इल्तुमिश (1211–1236 ई.) :–

- सुल्तान बनने से पहले बदायूं का गवर्नर था ।
- मुईज्जी एंव कुत्बी अमीरों का दमन करने के लिए'तुर्कान–ए–चिहलगानी'(40–चालीसा दल) का गठन किया ।
- इसे ''सल्तनत का वास्तविक संस्थापक'' कहा जाता है ।
- राजधानी दिल्ली को बनाया ।
- तराईन का तीसरा युद्ध – 1216 ई. इल्तुतमिश बनाम यल्दौज (पराजित व मारा जाता है)
- 1221 ई. में जलालुद्दीन मंगबरनी का पीछा करते हुए चंगेज खान सल्तनत की तरफ आ रहा था इल्तुतमिश ने जलुद्दीन मंगबरनी को सहायता न देकर नव स्थापित सल्तनत की रक्षा की ।
- 1229 ई. में खलीफा से मान्यता प्राप्त की ।
- नई मुद्रा जारी की थी ।
  1. चाँदी का टंका
  2. ताँबे का जितल
- 1236 ई. में मृत्यु
- 'इक्ता प्रणाली' को विकसित किया ।

3. रजिया सुल्ताना (1236–40 ई.) :–

- रजिया कुबा एवं कुलाह पहनकर दरबार में आती थी सिंहासन पर बैठती थी । प्रथम महिला शासक
- गैर तुर्क लोगों को महत्वपूर्ण पद प्रदान किए :–
  अल्तुनिया – तबर हिन्द का गवर्नर (भटिण्डा)
  याकूत – अमीर –ए–आखूर (अश्व शाला का प्रमुख)
  एतगीन – समीर
- कैथल (हरियाण) नामक स्थान पर डाकुओं ने रजिया की हत्या कर दी ।

4. बलबन (1266–86): –

- चालीसा दल का सदस्य था ।
- राजत्व का दैवीय सिद्धान्त –
  1. जिल्ल– ए– इलाही (ईश्वर की छाया)
  2. नियामत– ए– खुदाई (ईश्वर का प्रतिनिधि)
- यह रक्त की शुद्धता में विश्वास रखता था ।
- इसका संबंध ईरान के अफरासियाब वंश से था
- इसने ईरानी रीति – रिवाज एवं प्रथाएँ आरम्भ की ।
  1. सिजदा
  2. पैबोस / पायबोस
  3. नोरोज / नवरोज त्यौहार
  4. तुलादान
  5. ताजिया
- इसने सैनिक विभाग की स्थापना की – 'दीवान ए अर्ज'
- गुप्तचर विभाग = दीवान ए बरीद
- बलवन ने लौह एवं रक्त की नीति का अनुसरण किया ।
- इसने दिवान ए अर्ज की स्थापना की ।

खिलजी वंश

- खिलजी वंश की स्थापना खिलजी क्रान्ति कहलाती है

1. जलालुद्दीन खिलजी (1290–96):– (जलालुद्दीन फिरोज तुगलक)

- किलोखरी को 1 वर्ष तक अपना केन्द्र बनाकर रखा
- यह लालमहल के सिंहासन पर कभी नही बैठा
- रणथम्भौर पर आक्रमण किया । जलालुद्दीन खिलजी ने कहा–मेरे सैनिक के एक बाल की कीमत इस किले से कही ज्यादा है ।
- 'दीवान ए वकूफ' की स्थापना । (व्यय विभाग)
- इसके भतीजे अलाउद्दीन खिलजी ने कडा (इलाहाबाद) में इसकी हत्या कर दी ।

2. अलाउद्दीन खिलजी (1296–1316 ई.) :–

बचपन का नाम– अली गुरूशास्प/गुर्शास्प
सुल्तान बनने से पूर्व कडा (इलाहाबाद) का सूबेदार था कडा का सूबेदार रहते समय इसने दक्षिण भारत अभियान किया था । '' सिकन्दर सानी ''उपाधि धारण की ।

सैनिक अभियान :–

1. 1299 ई. (गुजरात) :–
   यहाँ का शासक कर्ण था । कर्ण अपनी बेटी देवलरानी के साथ देवगिरी भाग गया ।
2. 1300 ई. (जैसलमेर)
3. 1301 ई. (रणथम्भौर) :–
4. यहाँ का शासक हम्मीर देव था । नुसरत खान इस युद्ध में मारा गया ।

4. 1303 ई. (चित्तौड) :- चित्तौड को जीतकर इसका नाम खिज्राबाद रख दिया तथा खिज्र खाँ को सूबेदार बनाया ।
5. 1305 ई.(मालवा) :-
6. 1308 ई. (सिवाणा) :- खैराबाद
7. 1311 ई. (जालौर) :-

जालौर को जीतकर (जिलालाबाद) नाम रखा ।

चार खाँ :-

1. जफर खाँ - मंगोलो से लडता हुआ मारा गया
2. नुसरत खाँ - रणथम्भौर युद्ध में मारा गया ।
3. उलूग खाँ
4. अल्प खाँ

अन्य सेनापति :-

1. गाजी मलिक
2. मलिक काफूर :- यह हिन्दू था बाद में इस्लाम स्वीकार किया । यह हिंजडा था ।

- 1000 दीनार से खरीदने के कारण इसे ''हजार दिनारी'' कहा जाता है ।
- दक्षिण के अभियानों का नेतृत्व मलिक काफूर ने ही किया था ।

दक्षिण भारत के अभियान

(i) देवगिरी आक्रमण :-
रामचन्द्र देव (यादव वंश) रामदेव ने अलाउद्दीन की अधीनता स्वीकार कर ली

(ii) वारंगल (तेलंगाना) :-
प्रतापरूद्रदेव ने अधीनता स्वीकार कर ली । मलिक काफूर को कोहिनूर का हीरा भेंट में दिया ।

(iii) द्वारसमुद्र :- वीर बल्लाल देव (होयसल वंश)

(iv) मदुरै :- वीर पाण्डेय एवं सुन्दर पाण्डेय

- मलिक काफूर का सबसे सफल अभियान ।
- वीर पाण्डेय ने अधीनता स्वीकार नहीं की ।

सैनिक सुधार :-

- इसने विशाल एवं नियमित सेना का गठन किया
- सैनिकों को नियमित वेतन देना प्रारम्भ किया ।
- खुम्स (लूट) में सैनिकों की भागीदारी मात्र 20% कर दी गई ।

		सेना	सुल्तान
खुम्स	पहले	80%	20%
	अब	20%	80%

- सैनिकों का हूलिया लिखना प्रारम्भ किया । ''दीवान ए खारिज'' हुलिया लिखता था ।
- घोडो को दागने की प्रथा प्रारम्भ की ।

बाजार को तीन भागों में बाँटा गया :-

1. सराय ए अदल (सराय-अदल सरकारी सहायता प्राप्त बाजार था जहाँ वस्त्र एवं अन्य वस्तुओं का व्यापार होता था ।)
2. मण्डी
3. दास, घोडे, एवं पशुओं का बाजार

- शहना ए मण्डी नामक अधिकारी नियुक्त किया गया यह मण्डी में पुलिस अधिकारी होता थ

(3) मुबारक खिलजी (1316-1320)

- अलाउद्दीन खिलजी का पुत्र था । खिलजी वंश का अन्तिम शासक था, इसके बाद इसके मित्र नेराज किया ।

अमीर खुसरो :-

- ये अलाउद्दीन खिलजी के दरबार में रहते थे ।
- महान कवि, जन्म-परियाली , ईटा (यू.पी.)
- ''भारत का तोता'' तथा ''तुती ए हिन्द'' के नाम से भी जाना जाता था ।
- एकमात्र ऐसे कवि थे जिन्होने दिल्ली शासनकाल के 8 राजाओं का शासन देखा था
- ये निजामुद्दीन औलिया का शिष्य था ।
- तम्बूरा वाद्य यंत्र भी इन्होने ही बनाया ।
- 'कव्वाली का जनक''

तुगलक वंश

- सर्वाधिक 94 वर्ष शासन किया । (सल्तनत काल में)

1. गयासुद्दीन तुगलक (1320-25 ई.) :-

- वास्तविक नाम गाजी मलिक
- प्रथम सुल्तान था जिसने अपने नाम के आगे ''गाजी'' (धर्मयोद्धा) शब्द का प्रयोग किया ।
- इसकी राजस्व पद्धति रस्म ए मियानी के नाम से जाना जाता है ।
- ये पहला शासक था जिसने कैनाल का निर्माण करवाया

2. मुहम्मद बिन तुगलक (1325-51) :-

- सल्तनत काल का सबसे विद्वान शासक था ।
- इसको रक्तपिपासु पागल आदि कहा जाता था
- वास्तविक नाम जौना खाँ

- यह एक प्रयोगधर्मी एवं सनकी शासक था ।
- इसे बुद्धिमान मूर्ख कहा जाता है ।
- विरोधाभाषों का पिटारा कहा जाता है ।
- सल्तनत का सर्वाधिक विस्तार इसके समय हुआ
- यह अपनी राजधानी देवगिरी लेकर गया ।
- देवगिरी का नाम दौलताबाद रखा ।

कराचिल अभियान :-
- यहाँ से मात्र 3 सैनिक जीवित लौटे ।
  तुगलक ने किसानों को "तकावी" ऋण प्रदान किये
- सांकेतिक मुद्रा चलाई ।

दीवान ए अमीर कोही :-
- यह कृषि विभाग था,
- फसल चक्र अपनाया गया ।

इब्नबतुता :- यह मोरक्को (अफ्रीका) का निवासी था ।
- 1333 ई. में दिल्ली आया था ।
- तुगलक ने इसे दिल्ली का काजी नियुक्त किया
- तुगलक ने इसे अपना दूत बनाकर 1342 ई. में चीन भेजा ।
- अपनी पुस्तक रेहला (अरबी भाषा में) की रचना की

3. फिरोज तुगलक (1351-88 ई.) :-
- यह बिन तुगलक का चचेरा भाई था ।
- राज्याभिषेक थट्टा में ही हुआ ।
- दूसरा राज्यभिषेक दिल्ली मे
- इसने शरियत में उल्लेखित चार करों को लागू किया ।
  1. खुम्स - लूट का माल
  2. खराज - भूमि कर
  3. जजिया - यह एक गैर धार्मिक-राजनीतिक कर था इसको देने वाले जिम्मि कहलाते थे ।
  4. जकात - मुसलमान अपनी आय का 40वाँ हिस्सा देते थे ।
- हक ए शर्ब नामक नया कर सिंचाई पर लगता था
- "उश्र" नामक भूमि कर मुसलमानों से लिया जाता था । मुसलमानों की जमीन को "उश्री" कहते थे

नये सिक्के जारी किए :-
1. शशगनी
2. अद्दा
3. बिख

इसने लगभग 300 शहर बसाये :-
उदा. फिरोजशाह कोटला (पाँचवी दिल्ली)
जौनपुर (अपने भाई जौना खाँ की याद में बंगाल अभियान से लौटते समय)
फिरोजापुर फतेहाबाद, हिसार फिरोज
लगभग 1200 उद्यानों का निर्माण करवाया ।
नहरों का निर्माण । दो प्रसिद्ध - राजावाही, उलुगखानी

कुछ विभाग स्थापित किए : -
- दीवान- ए- बन्दगान - यह दासों (गुलामों) के लिए था । फिरोज के पास 1 लाख 80 हजार गुलाम थे
- दार -उल- शफा - मरीजों के लिए अस्पताल
- दीवान -ए- खैरात - दान विभाग
- दीवान- ए- इश्तिहाक - पेंशन विभाग
- पहला शासक जिसने ब्राहमणों पर जजिया लगाया
- फिरोज की आत्मकथा - फुतुहात- ए- फिरोजशाही
- जियाऊद्दीन बरनी की पुस्तके तारीख ए फिरोजशाही एवं फतवा- ए- जहाँदारी
- शम्स- ए- सिराज अफीफ की पुस्तक- तारीख -ए -फिरोजशाही
- फिरोज के समय रेशमकीट पालन आरम्भ हुआ ।

4. नासिरूद्दीन मोहम्मद तुगलक (1394-1412)
- इसके समय सल्तनत दिल्ली से पालम तक थी ।
- 1398 ई. में तैमूर लंग ने भारत पर आक्रमण किया था ।
- नासिरूद्दीन दिल्ली छोडकर भाग गया ।

सैय्यद वंश (1414-1451)

खिज्र खाँ
- सैय्यद वंश का संस्थापक
- इसने सुल्तान की उपाधि धारण नहीं की ।
- यह स्वयं को शाहरूख का प्रतिनिधि मानता था
- "रैय्यत ए आला " की उपाधि धारण की ।

अलाउद्दीन आलम शाह (1445-51 ई.)
यह सल्तनत को बहलोल लोदी को सौपकर बदायूं चला गया ।

लोदी वंश (1451-1526 ई.)
- यह अफगानिस्तान/अफगानों के गिलजई कबीले की शाहुखेल शाखा के थे ।
- इनके पूर्वज घोडों के व्यापारी थे ।

1. बहलोल लोदी (1451–1489 ई.) :-
   - सुल्तान को सम्मान में प्रथम माना जाता था ।
   - बहलोल लोदी अपने अमीरों का स्वागत करता था
   - अमीरों को ''मसनद-ए-आली'' कहकर पुकारता था
   - यह अपनी पगडी अमीरों के पैरो में रख देता था
   - इसने बहलोली सिक्के चलाये, जो मुगल काल तक चलते रहे ।

2. सिकन्दर लोदी (1489–1517) : -
   - इसने सिंहासन का प्रयोग आरम्भ किया ।
   - ''गुलरूखी'' उपनाम से लिखता था ।
   - इसने आगरा शहर की स्थापना की (1504) एवं 1506 में इसे राजधानी बनाया ।
   - इसने सिकन्दरी गज का प्रयोग किया ।
   - एकमात्र सुल्तान जिसने खुस्म में हिस्सेदारी नहीं ली ।
   - इसने अनाज से चुंगी कर हटा दिया ।
   - पसंदीदा वाद्य यंत्र = शहनाई
   - लज्जत ए सिकन्दरशाही = संगीत ग्रन्थों का फारसी अनुवाद
   - फरहंग ए सिकन्दरी = आयुर्वेद ग्रन्थों का फारसी

3. इब्राहिम लोदी (1517–1526 ई.) :-
   - राणा सांगा इसे 2 बार पराजित किया ।
   - आलम खाँ लोदी एवं दौलत खाँ लोदी (पंजाब का सूबेदार) ने बाबर को भारत में आक्रमण करने केलिए बुलाया था ।

पानीपत का प्रथम युद्ध : इब्राहिम लोदी बनाम बाबर

   - इब्राहिम लोदी युद्ध में लडता हुआ मारा गया ।
   - सल्तनत का एकमात्र सुल्तान जो युद्ध में मरा ।

सल्तनतकालीन प्रमुख विभाग एवं उनके प्रमुख

- दीवान-ए-इंशाः - पत्राचार विभाग
- दीवान-ए-बरीदः - गुप्तचर विभाग
- दीवान-ए-अर्जः- सैनिक विभाग
  प्रमुख- आरिज ए मुमालिक
- दीवान-ए-वकूफः- व्यय विभाग
- दीवान-ए-नजरः - उपहार विभाग
- दीवान-ए-रसालतः- विदेश विभाग
- दीवान-ए-मुस्तखराजः-राजस्व विभाग
- दीवान-ए-अमरीकोहीः-कृषि विभाग

सल्तनतकालीन प्रमुख इमारतें

1. कुतुबुद्दीन ऐबक :-

A. कुतुब मीनार :- कुतुबुद्दीन बख्तियार काकी के सम्मान में बनवायी ।
- इसका निर्माण कार्य इल्तुतमिश ने पूर्ण करवाया ।
- पुनर्निर्माण फिरोज तुगलक ने

B. कुवत उल इस्लाम मस्जिद :-
- सल्तनत काल की पहली मस्जिद
- इस मस्जिद में ''लौह स्तम्भ स्थापित है ।

C. अढाई दिन का झोपडा - अजमेर
पहले यहाँ संस्कृत पाठशाला थी ।

इल्तुतमिश :- इसे ''मकबरों का जन्मदाता'' कहा जाता है ।

A. सुल्तान गढी :-
भारत का पहला मकबरा
अपने पुत्र नासिरूद्दीन के लिए

B. अ तारीकीन का दरवाजा - नागौर (RAJ)

C. स्वयं का मकबरा (कुतुब Complex में)इसे मकबरे का निर्माण ''स्क्रीच शैली'' में किया गया है

D. बदायूँ की इमारते :- जामा मस्जिद

बलबन :-

A. लाल महल

B. स्वयं का मकबरा

खिलजी वंश

अलाउद्दीन खिलजी : -

1. नवनगर / नौनगर
2. सिरी फोर्ट
3. हजार सितुन का महल
4. हौजखास
5. अलाई मीनार
6. अलाई दरवाजा - वैज्ञानिक दृष्टिकोण से निर्मित प्रथम गुम्बद

- जमातखाना मस्जिदः - शुद्ध इस्लामिक शैली मे निर्मित प्रथम इमारत

मुबारक खिलजी: –

- ऊखा मस्जिद (बयाना)(उषा मन्दिर)

तुगलक वंश

गयासुद्दीन: –

1. तुगलकाबाद
2. तुगलकाबाद का किला
   - इसे छप्पनकोट भी कहा जाता है ।

3. गयासुद्दीन तुगलक का मकबरा
   - यह एक कृत्रिम झील मे बना हुआ है ।
   - इस पर हिन्दू प्रभाव दिखाई देता है ।
   -

मोहम्मद बिन तुगलक: –

1. जहाँपनाह
2. आदिलाबाद का किला
3. बाराखम्भा : –इसे धर्मनिरपेक्ष इमारतें कहा जाता है

फिरोज तुगलक: –

1. फिरोजशाह कोटला (5th दिल्ली)
2. खिरकी मस्जिद –ASI को यहाँ से सिक्के मिले है
3. बेगमपुरी मस्जिद
4. काली मस्जिद
5. कला मस्जिद
6. कुश्क ए शिकार मस्जिद
   - इसके समय को मस्जिदों का काल कहा जाता है ।
7. खान ए जहाँ तेलंगानी का मकबरा
   - यह भारत का प्रथम अष्टाकोणीय मकबरा है ।
   - इसका निर्माण जौना खाँ (पुत्र) ने करवाया ।
   - अशोक के टोपरा व मेरठ स्तम्भों को दिल्ली में स्थापित करवाया ।

सैय्यद वंश

सैय्यद व लोदी काल को "मकबरे का काल " कहते है ।

खिज्र खाँ :–

A. खिज्राबाद शहर
   मुबारक बाद

लोदी काल

A. बहलोल लोदी का मकबरा
B. सिकन्दर लोदी का मकबरा
   – भारत पहला दोहरा गुम्बद
   – इसे ताजमहल का पूर्वगामी कहा जाता है ।
C. मौठ की मस्जिद – बयाना
   – सिकन्दर लोदी के सेनापति मियाँ भूवा ने बनवाई
D. बडे खाँ का मकबरा
E. छोटे खाँ का मकबरा
F. दादी का मकबरा
G. पोती का मकबरा :– कुछ इतिहासकारों के अनुसार इसका वास्तविक नाम "पोली" था ।

मुगलकाल

मुगल मध्य एशिया (उजबेकिस्तान) से आये थे

बाबर

जन्म – 1483 ई.
जन्मस्थान – फरगना (उजबेकिस्तान)

- 1501 ई. में समरकन्द को जीता किन्तु यह वापिस इसके हाथ से निकल गया ।
- 1505 ई. में मुल्तान जीता ।
- 1507 में पादशाह (बादशाह) की उपाधि धारण की
- 1519 ई. में भेरा व बाजोर (पंजाब) के किले जीते
- भारत में पहली बार बारूद का प्रयोग किया ।

पानीपत का प्रथम युद्ध : 1526 – **बाबर बनाम इब्राहिम लोदी**

- इस युद्ध के बाद काबूल वासियों को 1 – 1 चाँदी का सिक्का दान में दिया, इस कारण बाबर को " कलन्दर " कहते है ।

1527 ई. खानवा का युद्ध :– बाबर बनाम सांगा
1528 ई. चंदेरी का युद्ध :– बाबर बनाम मेदनीराय
1529 ई. घाघरा का युद्ध :– बाबर बनाम अफगान
1530 ई. मृत्यु

आत्मकथा :– बाबरनामा (तुजुक ए बाबरी भी कहते है ।)

- तुर्की भाषा में

हुमायूँ

- हुमायू ने अपना राज्य अपने भाईयों में बाँट दिया ।

{ कामरान – काबुल
हिन्दाल – मेवात
अस्करी – सम्भल (यू.पी.) }

- यह अंधविश्वासी था । (7 दिन–7 रंग के कपडे) अफीम का आदी ।

अभियान:-

1. कालिंजर अभियान - 1531 ई.
2. चुनार का घेरा - 1532 ई.
3. दौहरीया के युद्ध में अफगानों को पराजित किया। (1532)
4. गुजरात पर आक्रमण - 1535 ई. हुमायू $^{v}/_{s}$ बहादुर शाह
5. चुनार का घेरा - 1535 ई.
   शेरशाह चुनार छोडकर बंगाल की तरफ चला गया। हुमायूँ ने बंगाल पहुँचकर जनताबाद नाम से बसाया

1539 ई. चौसा का युद्ध :-हुमायूँ बनाम शेरशाह सूरी (शेर खाँ/फरीद)

- हुमायूँ कर्मनासा नदी में कूदकर जान बचाई। एक भिश्ती निजाम झक्का ने इसकी जान बचाई।
- हुमायूँ ने चिश्ती को एक दिन का बादशाह बनवाया तब चिश्ती ने
- "चमडे के सिक्के" चलवाये एवं अपने नाम का खुत्वा पढवाया।

6. 1540 - कन्नौज का युद्ध/बिलग्राम का युद्ध
   हुमायूँ बनाम शेरशाह सूरी
- हुमायूँ निर्णायक रूप से पराजित हुआ तथा भागकर अमरकोट चला गया।
- 1545 पारस के शाह की मदद से काबुल पर अधिकार दिया।
- 1555 ई. मच्छीवाडा का युद्ध, सरहिन्द का युद्ध इन युद्धों में बाबर ने अफगानों को हराकर दिल्ली पर पुनः कब्जा कर दिया।
- 1556 ई. दीनपनाह महल में मृत्यु (गिरने के कारण)

शेरशाह सूरी

बचपन का नाम - फरीद
जन्म - बजवाडा (होशियारपुर) (पंजाब)
शिक्षा - जौनपुर

- प्रशासनिक शिक्षा ख्वासपुर
- फरीद के पिता को ख्वासपुर एवं सासाराम की जागीर मिली हुई थी। बहार खाँ मुहानी ने फरीद को शेर खाँ की उपाधि दी।
- 1530 में एक विधवा लाड बेगम से विवाह किया। दहेज में इसे चुनार का किला मिला था।

अभियान :-

1541 - गम्बरों पर
1541 - मालवा पर
1542 - रायसीन पर :- शासक-पुरनमल

- 1544 गिरी-सुमेल का युद्ध/ जैतारण का युद्ध :- शेरशाह सूरी बनाम मालदेव मालदेव की सेना का नेतृत्व जैता एवं कूंपा ने किया
- 1545 कालिंजर अभियान :- शेरशाह सूरी $^{v}/_{s}$ किरत सिंह

स्थापत्य कला: -

1. इसने पटना शहर को बसाया।
2. दिल्ली मे किला ए कुहना मस्जिद का निर्माण करवाया।
3. लाल दरवाजे का निर्माण करवाया।
4. रोहतासगढ किले का पुनर्निमाण करवाया।
5. उत्तर - पश्चिमी सीमा पर रोहतासगढ किले का निर्माण करवाया।
6. शेरशाह सूरी का मकबरा - सासाराम

नोट: -

1. टोडरमल इसके दरबार में था।
2. पद्मावत का लेखक = मलिक मोहम्मद जायसी
3. अब्बास खाँ शरबानी इसके दरबार में था।

पुस्तक : -
1. तारीख ए शेरशाही
2. तोहफा ए अकबरशाही

अकबर (1556-1605 ई.) :-

जन्म -15 अक्टूबर 1542 अमरकोट में राणा वीरसाल के यहां।
संरक्षक - मुनीम खाँ प्रथम, बैरम खाँ (द्वितीय-खान बाबा)

पानीपत का दूसरा युद्ध - 1556
अकबर (बैरम खाँ) $^{v}/_{s}$ हेमू - मारा गया

- पानीपत के युद्ध में अकबर ने गाजी की उपाधि की।
- 1560 तक सभी शक्तियाँ बैरम खाँ के पास
- अकबर ने बैरम खाँ के समक्ष 3 प्रस्ताव रखे :-
  1. काल्पी एवं चंदेरी की सूबेदारी
  2. बादशाह के गुप्त मामलों को देखना
  3. हज यात्रा
- बैरम खाँ ने विद्रोह कर दिया।
- बैरम खाँ की हज यात्रा के दौरान पाटन (गुजरात) में हत्या कर दी।
- सन् 1560 से 1562-पेटीकोट शासन
- सन् 1562 - आदम खाँ का मालवा अभियान (बाज बहादुर-रूपमती)
  1562 में ही आदम खाँ की मृत्यु।

अभियान :-

- 1568 चितौडगढ :- जयमल एवं पता लडते हुए मारे गये । अकबर ने लगभग 30000 लोगों की हत्या की

1572-73 : गुजरात अभियान

- अकबर ने गुजरात के शासक मुजाफ्फर III को पराजित किया ।
- इतिहासकार स्मिथ ने गुजरात अभियान को विश्व का सबसे द्रुत गति से किया गया अभियान बताया है
- सीकरी का नाम फतेहपुर सीकरी कर दिया ।
- 1570 नागौर दरबार :- राजपुताना के अधिकांश शासकों ने अकबर की अधीनता स्वीकार कर ली (अपवाद-चन्द्रसेन व प्रताप) (चन्द्रसेन दरबार में गया)
- 1576 हल्दीघाटी युद्ध अकबर बनाम प्रताप
- 1581 काबूल अभियान मिर्जा हकीम ने विद्रोह किया अकबर ने बख्तुनीशा को सूबेदार नियुक्त किया
- 1585 में मानसिंह को वहाँ का सूबेदार बनाया ।
- 1586 कश्मीर अभियान बीरबल युसूफजाई कबीले से लडता हुआ मारा गया ।
- 1591 सिन्ध
- 1592 उडीसा
- 1595 कंधार
- 1601 खानदेश (अन्तिम अभियान) असबर ने इस किले को "सोने की चाबियों" से खोला ।
- गुरू अब्दूल लतीफ का प्रभाव था ।
- शेख सलीम चिश्ती (सूफी सन्त) का शिष्य था ।
  - 1575 में इबादतखाना स्थापना ।
  - 1578 अन्य धर्म के विशेषज्ञों को आमंत्रित किया गया । इसमें निम्न ने भाग लिया ।
    हिन्दु - देवी व पुरूषोतम
    पारसी - दस्तुरजी मेहरजी राणा
    जैन - जिन प्रभु सुरी व हरि विजय
    इसाई - मॉन्सेरात व एक्वाबीवा
- 1582 दीन ए ईलाही या तौहिद ए ईलाही धर्म की स्थापना
- अकबर इसका धार्मिक प्रमुख था ।
- अबुल फजल को प्रधान पुरोहित बनाया गया ।
- रविवार पवित्र दिन
- शास्त - धर्म स्वीकार किया था ।
- सिक्ख गुरू रामदासजी को 500 बीघा जमीन दी जहाँ पर गुरू अर्जुन देव जी ने अमृतसर बसाया,एवं हर मन्दिर (Golden Temple) बनवाया ।
- विट्ठल नाथ (वल्लभाचार्य का पुत्र) को गोकूल एवं जैतपुरा जागीर दी थी ।
- अकबर की धार्मिक नीति को "सुलह-ए-कुल" की नीति भी कहते है ।

अकबर के नवरत्न :-

1. तानसेन
2. महेश दास (बीरबल)
3. अबुल फजल
4. फैजी
5. टोडरमल
6. अब्दुर्रहीम खान खाना
7. मानसिंह
8. हकीम हुकाम - रसोईया
9. मुल्ला दो प्याजा
10. मिर्जा अजीज कोका
11. फकीर अजीओद्दीन

- अकबर ने सुलह ए कुल नीति को अपनाया ।
- 1562: - युद्ध बंदियों के धर्मातरण पर रोक ।
- 1562: - दास प्रथा पर रोक ।
- 1563: - तीर्थयात्रा कर को समाप्त किया ।
- 1564: - जजिया कर समाप्त ।
- 1575: - इबादतखाने की स्थापना
- मुस्लिम विद्वानों को आमंत्रित किया गया ।
- 1578: - धर्म संसद की स्थापना
- अकबर ने इन्हे दरबार में अग्नि जलाने की अनुमति दी ।

जैन: - (a) हरिविजय सूरि (b) जिनचन्द्र सूरि
ईसाई: -(a) एक्वाबीवा (b) जिनचन्द्र सूरि

जहाँगीर (1605-1627)

वास्तविक नाम - सलीम

- अकबर इसे "शेखुबाबा" कहकर बुलाता था ।
- राज्याभिषेक के समय 12 घोषणाएँ की ।
  - न्याय की जंजीर लगवायी (सोने की 66 घंटिया थी)
  - आगरा किले के 'मुसम्मन' बुर्ज पर लगवायी ।
- 1606 में खुसरो ने विद्रोह कर दिया ।
  - सिक्खों के पाँचवे गुरू अर्जुन देव जी ने इसे आशीर्वाद दिया था । जहाँगीर ने गुरू अर्जुन देव जी को मृत्युदण्ड दे दिया ।
- 1615 - सर टॉमस रॉ भारत आया ।
  1616 में जहाँगीर से अजमेर में मिला । जहाँगीर ने इसे व्यापारिक रियायते दी । तम्बाकु की खेती इसी समय प्रारम्भ हुई । बाद में प्रतिबन्ध लगा दिया ।
- 1615 - शहजादा खुर्रम ने मेवाड के साथ सन्धि की ।

नुर ए जहाँ (नूरजहाँ) :–वास्तविक नाम :– मेहरून्नीसा जहांगीर की पत्नी जो राज कार्यो में हस्तक्षेप करती थी

शाहजहाँ ने विद्रोह (1622 ई.) कर दिया ।

शाहजहाँ (1627–1658 ई.) :–

- आसफ खाँ ने खुसरों के पुत्र दाबरबख्श को आगरा में बादशाह बनाया ।
- शाहजहाँ ने शहरयार, दाबरबख्श एवं मुगल परिवार के सभी सदस्यो (पुरूषो) की हत्या कर दी ।
- 1628 –झुंझार सिंह बुन्देला का विद्रोह
  1636 में विद्रोह का दमन ।
- खान–ए–जहाँ लोदी का विद्रोह :– यह मालवा का सूबेदार था ।
- पुर्तगालियों का विद्रोह (1631–32) दमन कर दिया गया ।
- 1631 व 32 में भयंकर अकाल पडा । जिसका वर्णन गल

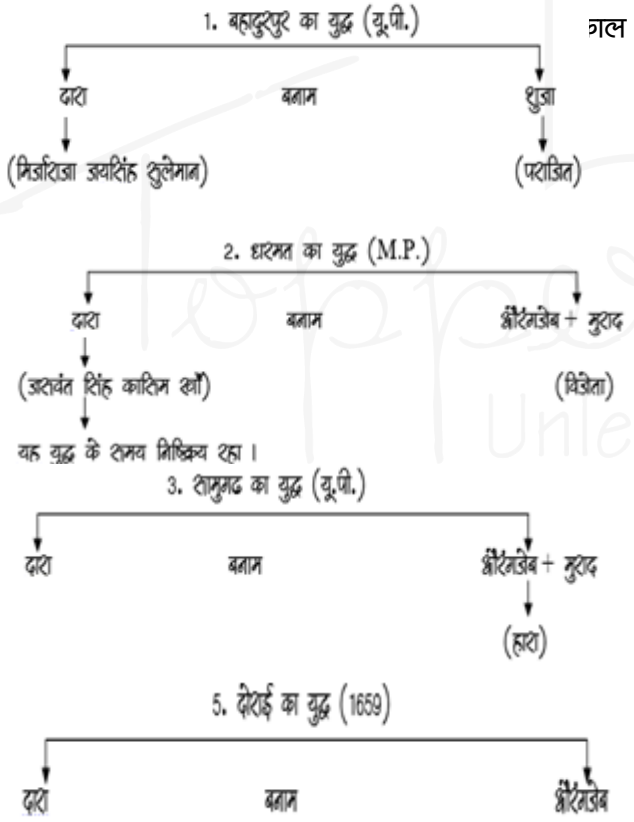

दारा पराजित होकर बलूचिस्तान चला गया । वहाँ से गिरफ्तार कर मुकदमा चलाया गया । दारा को हुमायूं के मकबरे में दफनाया गया ।

औरंगजेब (1658–1707 ई.)

- इसे "शाही दरवेश एवं जिन्दा पीर" कहा जाता था
- कुछ इतिहासकार इसे धर्मांध बताते है जबकि धार्मिक नीतियों का पालन करना इसकी मजबूरी थी ।
- बचपन – नूरजहाँ के पास बीता था ।

अभियान :–

- मीर जुमला को बंगाल का सूबेदार नियुक्त किया गया
- मीर जुमला ने आसाम के अहोमों के विरूद्ध अभियान चलाया ।
- शाईस्ता खां को बंगाल का गवर्नर बनया गया 1660 में शाइस्ता खान को दक्कन भेजा गया था शिवाजी को नियंत्रित करने के लिए । आरम्भ में इसे सफलता मिली लेकिन 1663 में शिवाजी ने पूना पर आक्रमण किया । शाईस्ता खान पराजित होकर भाग गया । औरंगजेब ने मिर्जा राजा जयसिंह को भेजा
- 1665 पुरन्दर की संधि 1665 शिवाजी व मिर्जा राजा जयसिंह के बीच शिवाजी ने अधीनता स्वीकार कर ली

विद्रोह :–

1. जाटों का विद्रोह :–
   मथूरा के आस पास के किसानों ने गोकुल के नेतृत्व में विद्रोह किया ।

2. सतनामी विद्रोह :–
   मेवात एवं हरियाणा के क्षेत्रों में सतनामी साधु निवास करते थे । सतनामी शाखा की स्थापना "वीरभान" ने की थी । सतनामियों को मुंडिया कहा जाता था ।

3. सिक्खों का विद्रोह (1675) :–
   औरंगजेब ने गुरू तेगबहादुर जी को मृत्यु दण्ड दिया था (दिल्ली के चाँदनी चोक में) वहाँ शीशगंज गुरूद्वारा बना हुआ है ।
   1681 में औरंगजेब के पुत्र अकबर ने अजमेर में विद्रोह कर दिया था ।

औरंगजेब स्वयं वीणावादक था अकबर नगाडा वादक था

(संगीत घराने, चित्रकला विकसित)

मीर बक्शी शाही सेना का प्रमुख (मुख्य सेनापति नही)

मनसबदारी व्यवस्था :– मुगलों की एक प्रशासनिक व्यवस्था थी । यह दसमलव प्रणाली पर आधारित थी । मनसब 10 से 10,000 तक होते थे ।

स्थापत्य कला :- हिन्दू-इस्लामिक श्रेणी का पूर्णतया विकास हो चुका था ।

बाबर :-

1. पानीपत की ईंटों की मस्जिद
2. आगरा की मस्जिद
3. आगरा में आरामबाग
4. सम्भल की मस्जिद

हुमायूं :- दिल्ली में दीन पनाह की स्थापना (यही मृत्यु)

अकबर :-

1. फतेहपुर सीकरी का निर्माण

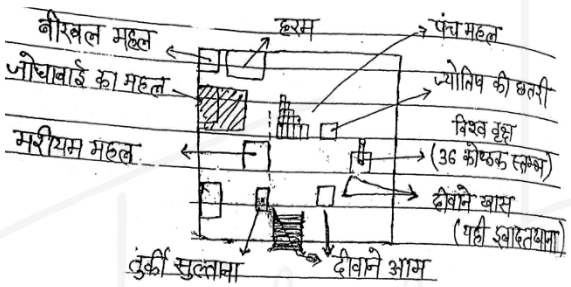

दीवाने खास :-

यह इबादत खाना थी (रविवार को) इसमें 36 कोष्ठक के स्तम्भ है, जिसे विश्व वृक्ष कहा जाता है

- ज्योतिष की छतरी - हिन्दू शैली में निर्मित
- पंचमहल -
  - पिरामिडनुमा पाँच मंजिला इमारत
  - दीवारे नही केवल स्तम्भों से निर्मित
- तुर्की सुल्ताना का महल
  - लाल बलुआ पत्थर अत्यन्त सुन्दर कार्य
  - सीकरी की सुन्दरतम इमारत

यह सारी इमारते एक ही परिसर में है
इनका वास्तुकार - बहाऊदीन

1. **जामा मस्जिद (सीकरी) :-**
   - इसका द्वार "बुलन्द दरवाजा " कहलाता है ।
   - गुजरात विजय के बाद अकबर द्वारा निर्माण एवं सीकरी का नाम फतेहपुर सीकरी रखा था ।
   - शेख सलीम चिश्ती की दरगाह भी मध्य में ही है
   - इस्लाम शाह सूर का मकबरा भी यही है ।
2. **हुमायूँ का मकबरा - दिल्ली :-**
   - अकबर की माँ ने बनवाया (हाजी बेगम ने)
   - वास्तुकार मिरख मिर्जा ग्यास
   - चार बाग शैली में निर्मित दोहरा गुंबद है ।
3. **आगरा का लाल किला :-**
   - वास्तुकार -कासिम खां
   - पहले यहाँ पर बादलगढ नाम से खण्डर थे ।
   - किले के 2 द्वार है ।
     1. अमर सिंह गेट (खुला)
     2. दिल्ली दरवाजा
   - दीवाने आम, दीवाने खास, खास महल } आदि इमारतें
   - जहाँगीर महल भी इसी किले में है । इसका निर्माण जहाँगीर ने करवाया । "शहतीर शैली" में निर्मित
   - मोती मस्जिद भी -शाहजहाँ ने निर्माण कराया ।
4. **लाहौर का किला**
5. **इलाहाबाद का किला**
6. **अजमेर का मैगजीन किला**
   - यह शस्त्रागार था (मुगलो का)
   - सबसे सुरक्षित किला माना गया था ।

जहाँगीर :-

1. अकबर का मकबरा -सिकन्दरा
   - 5 मंजिला इमारत
   - गुम्बद विहिन
2. मरीयम का मकबर - सिकन्दरा
3. अब्दुलरहिम खान खाना का मकबरा दिल्ली
4. इत्माद उद दौला का मकबरा - आगरा
   - अस्मत बेगम, आसफ खाँ की कब्र भी यही है ।
- पित्रा दयूरा (पत्थरों मे हीरा मोती का कार्य) (In lay) का प्रयोग पहली बार इसी इमारत में किया गया ।
- इसे बेबी ताज (BABY TAJ) कहते हैं ।

शाहजहाँ :-

- "स्थापत्य कला का स्वर्णकाल"
- लाल बलुआ पत्थर के साथ में मकराना मार्बल का भी प्रयोग किया गया है ।

1. **ताजमहल:** -
   - हिन्दू - इस्लामिक शैली का सर्वश्रेष्ठ उदाहरण है
   - अंग्रेजी इतिहासकारों के अनुसार ऐरोनियो व वेरोनियो (इटली) इसके वास्तुकार थे ।
   - वास्तुकार: - उस्ताद अहमद लाहौरी

1. दिल्ली का लाल किला
   - वास्तुकार – अहमद एवं हमीद
   - मोती मस्जिद – औरंगजेब ने बनवायी ।
2. दिल्ली की जामा मस्जिद
   - भारत की सबसे बडी मस्जिद
3. आगरा की जामा मस्जिद
   निर्माण – जहाँ आरा (बेटी)
   दिल्ली के चाँदनी चौक का प्रारूप भी जहाँ आरा ने तैयार किया ।

औरंगजेब :-

1. बीबी का मकबरा – औरंगाबाद
   - इसे रबिया उर दुर्रानी का मकबरा भी कहते हैं ।
   - ''ताजमहल की बूरी नकल'' कहा जाता है ।
   - इसे दक्षिण भारत का ताजमहल कहते हैं ।
2. बादशाही मस्जिद – लाहौर
3. सफदरजंग का मकबरा – दिल्ली इसमें तिहरा गुम्बद है ।

मुगल कालीन साहित्यिक रचनायें

पुस्तक	लेखक
तुजुके बाबरी (बाबरनामा)	बाबर
दीवान (कविता संग्रह)	बबर
तारीखे अल्की	मुल्ला दाउद
आइने अकबरी	अबुल फजल
अकबर नामा	अबुल फजल
तबकाते अकबरी	निजामुद्दीन अहमद
अकबरनामा	फैजी सरहिन्दी
हुमायूँनामा	गुलकान बेगम
मुन्तखाबुल-तवारीख	बदायुँनी
तुजुके जहाँगीरी	जहाँगीर
मआसिरे जहाँगीर	मुल्ला महबन्दी
पादशाहनामा	अब्दुल हमीद लाहौरी
शाहजहाँ – नामा	इनायत खाँ
नुस्के – दिलकुशा	मुहम्मद सकी
फुतुहते – आलमगिरी	ईश्वरदास नागौड
मजामुं – बहरीन	दारा शिकोह
रामचरित मानस	तुलसीदास
विनय-पत्रिका	तुलसीदास
कवितनोकर	सेनापति
कवि-प्रिया	केशवदास
रसिक-प्रिया	केशवदास
अकबरशाही – श्रंगारदर्पण	परमसुन्दर
रसगंगाधर	पंडित जगन्नाथ
फतवा-ए-आलमगिरी	औरंगजेब

कुछ अनुवाद की गयी पुस्तकें

पुस्तक	अनुवाद	अनुवादकर्ता
महाभारत	संस्कृत से फारसी	नकीब खां, बदायूनी, फैजी
रामायण	संस्कृत सं फारसी	बदायूँनी
अथर्ववेद	संस्कृत से फारसी	बदायूँनी
लीलावती	संस्कृत से फारसी	फैजी
कालिय दमन	संस्कृत से फारसी	अबुल फजल
नल दमयन्ती	संस्कृत से फारसी	फैजी
उपनिषद्	संस्कृत से फारसी	
भागवत् गीता	संस्कृत से फारसी	दारा शिकोह
योग वशिष्ठ	संस्कृत से फारसी	दारा शिकोह
हरिवंश	संस्कृत से फारसी	मौलाना शेरी
हयातुल हैवान	अरबी से फारसी	अबुल फजल, शेख मुबारक
बाबरनामा	तुर्की से फारसी	अब्दुर्रहीम खान-खाना

भक्ति एवं सूफी आन्दोलन

- मध्यकाल में सर्वप्रथम दक्षिण के आलवार सन्तों द्वारा भक्ति आन्दोलन की शुरूआत हुई ।
- उत्तर भारत में भक्ति आन्दोलन प्रारम्भ करने का श्रेय रामानन्द को है ।
- रामानन्द का जन्म प्रयाग (इलाहाबाद) में हुआ था । उन्होंने विष्णु के अवतार के रूप में राम की भक्ति को लोकप्रिय बनाया ।
- कबीर ने हिन्दू-मुस्लिम एकता पर बल दिया । उनकी रचनाएँ 'बीजक' में संगृहीत हैं । वे निर्गुण भक्ति धारा के प्रमुख कवि थे ।
- गुरूनानक का जन्म ननकाना साहब (तलवण्डी) में हुआ था । उन्होंने हिन्दू-मुस्लिम एकता पर बल दिया ।
- चैतन्य बंगाल में भक्ति आन्दोलन के प्रवर्तक थे । उन्होंने संकीर्तन प्रथा को जन्म दिया ।

हिमाचल प्रदेश

प्रदेश की भौगोलिक रूपरेखा और जलवायु

हिमाचल प्रदेश पश्चिमी हिमालय क्षेत्र में स्थित है । इसके पूर्व में तिब्बत, पश्चिम में पंजाब, उत्तर में जम्मू तथा कश्मीर, दक्षिण में हरियाणा और दक्षिण-पूर्व में उत्तरांचल स्थित है । हिमाचल प्रदेश 30°-22'-40" से 33°-12'-40" उत्तरी अक्षांश और 75°-55' से 79°-04'-20" पूर्वी देशांश के बीच स्थित है । हिमाचल प्रदेश अपने प्राकृतिक सौन्दर्य, नदियों, घाटियों, पर्वत शिखरों और संस्कृति के लिए जाना जाता है । भौगोलिक दृष्टि से हिमाचल प्रदेश को मुख्यत: तीन भागों में बांटा जा सकता है ।

शिवालिक पर्वत श्रृंखला या बाहरी हिमालय क्षेत्र (समुद्र तल से ऊंचाई : 350 से 1500 मी.) प्राचीन समय में शिवालिक श्रृंखला को मानक पर्वत के नाम से भी जाना जाता था। इस श्रृंखला में कांगडा जिले की कांगडा, नूरपुर, देहरा, ज्वाली और पालमपुर तहसीलें, सिरमौर जिले की पांवटा घाटी, नाहन तहसील, पच्छाद और रेणुका तहसीलों के निचले क्षेत्र, चम्बा जिले के डहलौजी, भटियात, चुराह और चम्बा तहसीलें, हमीरपुर, ऊना, बिलासपुर और मण्डी जिलों के निचले क्षेत्र आदि आते हैं ।

भीतरी या हिमालय क्षेत्र (समुद्र तल से ऊँचाई : 1500 से 4500 मी.) : मध्य हिमालय में सिरमौर जिले की रेणुका और पच्छाद तहसीलों के ऊपरी क्षेत्र : मण्डी जिले की करसोग और चवयोट तहसीलें : शिमला जिले के ऊपरी क्षेत्र : चम्बा जिले की चुराह तहसील के ऊपरी क्षेत्र : कांगडा और पालमपुर तहसीलों के ऊपरी क्षेत्र आते हैं ।

उच्च हिमालय क्षेत्र (समुद्र तल से ऊँचाई :4500 मी. और अधिक) : उच्च हिमालय में किन्नौर जिला : चम्बा जिले की पांगी तहसील : लाहौल-स्पीति के कुछ क्षेत्र ।

प्रदेश का प्रशासनिक ढाँचा

हिमाचल प्रदेश की स्थापना 15 अप्रैल, 1948 को हुई उस समय इसके चार जिले थे- 1.चम्बा, 2. मण्डी, 3. सिरमौर. 4. महासू।

फिर 'कहलूर' रियासत हिमाचल प्रदेश में शामिल हुई । तथा बिलासपुर नाम से पाँचवाँ जिला बन गया । इसके बाद महासू जिले के दो जिले बन गए । एक महासू दूसरा किन्नौर । इस प्रकार हिमाचल प्रदेश के छ: जिले हो गए ।

1 नवम्बर, 1966 को जब पंजाब के पहाडी क्षेत्र इसमे शामिल हुए तो चार जिले इसमें जोड दिए गए-

1. काँगडा,
2. कूल्लू,
3. शिमला,
4. लाहौल-स्पीति ।

इस प्रकार कुल 10 जिले हो गए। 25 जनवरी, 1971 को जब यह पूर्ण स्वरूशासित राज्य बन गया तो काँगडा, शिमला एवं महासू जिलों का पुर्नगठन कर दिया गया । परिणामस्वरूप 12 जिले बन गए। इस प्रदेश के जिले तथा तहसीलें इस प्रकार हैं-

1. जिला-चम्बा
   - मुख्यालय-चम्बा
   - तहसीलें-चम्बा, चुराह, पांगी, सलूनी, भरमौर, भटियात ।
2. जिला-काँगडा
   - मुख्यालय-धर्मशाला
   - तहसीलें-नूरपुर, काँगडा, धर्मशाला, देहरा, पालमपुर, बैजनाथ, जैसिंहपुर, इन्दौरा, बडोह, ज्वाली, शाहपुर, खुण्डियां, कस्या कोटला, फतेहपुर ।
3. जिला-ऊना
   - मुख्यालय- ऊना
   - तहसीलें-ऊना, अम्ब, बंगाणा ।
4. जिला- हमीरपुर
   - मुख्यालय- हमीरपुर
   - तहसीलें-हमीरपुर, बडसर, नदौन, सुजानपुर, भोरंज ।
5. जिला- बिलासपुर
   - मुख्यालय-बिलासपुर
   - तहसीलें-बिलासपुर, सदर, घुमारवीं
6. जिला- मण्डी
   - मुख्यालय-मण्डी
   - तहसीलें-मण्डी सदर, चव्योट, जोगिन्द्र नगर, सरकाघाट, सुन्दरनगर, करसोग, धुनाग ।
7. जिला- कुल्लू
   - मुख्यालय-कुल्लू
   - तहसीलें-कुल्लू, बन्जार, निरमण्ड, आनी ।

8. जिला- लाहौल-स्पीति
- मुख्यालय-केलांग
- तहसीले- काज़ा केलांग ।

9. जिला- सिरमौर
- मुख्यालय-नाहन
- तहसीलें-नाहन, रेणुका, शिलाई, पौंटा साहिब, पच्छाद, राजगढ ।

10. जिला- सोलन
- मुख्यालय-सोलन
- तहसीलें-सोलन, कसौली, नालागढ, अर्की, कण्डाघाट।

11. जिला- शिमला
- मुख्यालय - शिमला
- तहसीलें-शिमला, सुन्नी, ठियोग, कोटखाई, रामपुर, चौपाल, रोहड़ू, जुब्बल, कुमारसैन, चिड़गांव,

12. जिला- किन्नौर
- मुख्यालय-रिकांग पिओ
- तहसीलें-निचार, कल्पा, साँगला, पूह, मूरंग ।

हिमाचल प्रदेश के जिले (31-3-2017) तक :

1. बिलासपुर

कुल आबादी	3,81,956 (जनगणना 2011)
बिलासपुर का पुराना नाम	व्यासपुर (महाभारत से उद्धृत)
रियासत के रूप में	कहलूर
जिले के रूप में विकसित	1 जुलाई, 1954 (पांचवां जिला)
क्षेत्रफल	1,167 वर्ग कि.मी.
उपमण्डल (4)	बिलासपुर, घुमारवीं, श्री नैनादेवीजी, झण्डुता
तहसीलें (4)	बिलासपुर, घुमारवीं, झण्डुता, श्री नैनादेवीजी
उप-तहसीलें (3)	भराणी, नम्होल, कलोल
विधान सभाई क्षेत्र (4)	घुमारवीं, बिलासपुर, झण्डुता, श्री नैनादेवी
औद्योगिक प्रतिष्ठान	नंगल घुमारवीं, गंगल (बरमाणा)
पर्यटन स्थल	नैनादेवी, भाखडा बांध, बिलासपुर
एशिया का सबसे ऊंचा पुल	कन्दरौर (घुमारवी)
कृषि	गेहूं, मक्का, धान, दालें, तिलहन
भाषा	बिलासपुरी, पहाडी, हिन्दी,
समुद्रतल से ऊंचाई	1000 मी. तक
झील	गोविन्द सागर ,कहलूरी
अक्षांशीय स्थिति	31.19 डिग्री
चण्डीगढ व शिमला से दूरी	130 कि.मी. व 90 कि.मी.
पैराग्लाईड प्रशिक्षण संस्थान	बिलासपुर
जनसंख्या घनत्व (2011)	327 व्यक्ति प्रति कि.मी.
अनु. जाति (2011)	25.91 प्रतिशत
जनजाति (2011)	2.79 प्रतिशत
साक्षरता (2011)	84.59 प्रतिशत
कुल पंचायतें	151

2. किन्नौर

कुल आबादी	84,121 (जनगणना 2011)
जनसंख्या घनत्व (2011)	13 व्यक्ति प्रति कि.मी.
साक्षरता	80.00: (2011 की जनगणना के अनुसार)
पुराना नाम	किन्नर (अयम् किम् नरः)
जिले के रूप में गठन	21 अप्रैल, 1960
जिला मुख्यालय	रिकांग पिओ
प्रसिद्ध मेला	फुलायच मेला, हाल्दा मेला
क्षेत्रफल	6401 वर्ग कि.मी.
उपमण्डल (3)	निचार, कल्पा, पुह
तहसीलें (5)	निचार, कल्पा, सांगला, पुह, मोरंग
उपतहसील (1)	हंगरंग
विधानसभाई क्षेत्र (1)	किन्नौर
नदियां	सतलुज उपनदी बस्पा
धार्मिक स्थल	किन्नर, कैलास, कापरु (मोने) नेसांग (कालीमंदिर)
भाषा	तिब्बती, किन्नरी
झील	नाको झील
समुद्र तल से ऊंचाई	2134 मी. से 3658 मी. तक
विद्युत परियोजनाए	संजय विद्युत परियोजना, बस्पा विद्युत परियोजना
कृषि	6 प्रतिशत भूमि (एक फसल वार्षिक) आलू,

	सेब, अंगूर
दर्रे	शिप्की ला, रानीशीला, कुकम दर्रा
नगदी फसलें	सेब, चिलगोजा, बादाम, अंगूर
अक्षांशीय स्थिति	उत्तरी 31.5 पूर्वी 77.45

3. कांगडा

प्राचीन नाम	त्रिगर्त
पुनर्गठन	1 नवम्बर, 1966
जनसंख्या घनत्व (2011)	263 व्यक्ति प्रति किåमीå
अन्तर्राज्जीय विश्वविद्यालय	कृषि विश्वविद्यालय, पालमपुर
जिले के रूप में विकसित	1 सितम्बर, 1972
जिले का क्षेत्रफल	5739 वर्ग किåमीå
प्रदेश का कुल भाग	10.31 प्रतिशत
उपमण्डल (12)	कांगडा, पालमपुर, ज्वालामुखी, धर्मशाला, नूरपुर, देहरा, बैजनाथ, ज्वाली, जयसिंहपुर, फतेहपुर, नागरोटा बांगवा, शाहपुर
तहसीलें (19)	कांगडा, पालमपुर, बैजनाथ, जयसिंहपुर, नूरपुर, फतेहपुर, धर्मशाला, इन्दौरा, ज्वाली, खुंडियां देहरा, शाहपुर, बडोह, जस्वान कोटला, ज्वालामुखी, नागरोटा बांगवा, रक्कड, मुल्थान, डाडा सीबा
उप तहसीलें	कोटला, पंचरुखी, हरिपुर, गंगथ, छडियार, नागरोटा सूरियाँ, हरचक्कियां, थुरल, ड्रीनी, धीरा, आलमपुर, भारवाना, प्रागपुर, माजाहिन
विधान सभाई क्षेत्र (15)	देहरा, फतेहपुर, इंदौरा , जयसिंहपुर, नगरोटा, ज्वालामुखी, जस्वां-प्रागपुर, ज्वाली, नूरपुर, शाहपुर, धर्मशाला, कांगडा, पालमपुर, शुलह, बैजनाथ
धार्मिक पर्यटन स्थल	ज्वालामुखी, कांगडा, धर्मशाला, नूरपुर, बैजनाथ, योल, भागसुनाथ, चामुण्डा देवी, ब्रजेश्वरी देवी
विकसित पर्यटन स्थल	धर्मशाला, पालमपुर, कांगडा, बैजनाथ गगल (अन्तर्राज्जीय)
हवाई	अड्डा
रेलवे	लाईन
औद्योगिक	केन्द्र
जिला	मुख्यालय
समुद्रतल से ऊंचाई	700 मि. से 1000 मी.
रेडियो केन्द्र	धर्मशाला
कुल आबादी	15,10,075 (जनगणना 2011)
अक्षांशीय स्थिति	31.42
अनु. जाति (2011)	21.15 प्रतिशत
जनजाति (2011)	5.59 प्रतिशत
साक्षरता (2011)	85.67 प्रतिशत
कुल पंचायतें	760
गर्म पानी का चश्मा	सलोल
चाय के बगीचे	पालमपुर, पपरोला, बैजनाथ, अपरबीड

4. कुल्लू

पुराना नाम	कुलूत (विष्णु पुराण से उद्धृत)
जिले के रूप में विकसित	1966
जिले का क्षेत्रफल	5503 वर्ग किमी.
उपमण्डल (4)	कुल्लू, बन्जार, आनी, मनाली
तहसील (6)	कुल्लू, निरमंड, बंजार, मनाली, भुंतर, आनी
उप तहसील (2)	सैंज, निथार
विधान सभाई क्षेत्र (4)	कुल्लू, बन्जार, आनी, मनाली
पर्यटन स्थल	मनाली, मनीकर्ण, डफडनवर, पतली कुहल
धार्मिक पर्यटन	हिडिम्बा देवी, मनीकर्ण, झीरगंगा, परशुराम मन्दिर, महिसासुर मर्दिनी
कृषि	सेब, आलू, लाल मिर्च
भाषा	कुल्लवी, हिन्दी
चण्डीगढ से दूरी	272 कि.मी.
हवाई मार्ग	दिल्ली-भुन्तर, चण्डीगढ-भुन्तर, शिमला-भुन्तर
संभावित हवाई पट्टी	रंगरीक
दर्रे	रोहतांग दर्रा (पिन) पार्वती दर्रा
पर्वतारोहण संस्थान	मनाली, सोलांग नाला
दूरदर्शन टावर	मनाली, कुल्लू
अक्षांशीय स्थिति	31.58

कुल आबादी	4,37,903 (जनगणना 2011)
जनसंख्या घनत्व (2011)	80 व्यक्ति प्रति कि.मी
अनु. जाति (2011)	28.01 प्रतिशत
जनजाति (2011)	3.84 प्रतिशत
साक्षरता (2011)	79.4 प्रतिशत
गर्म पानी के चश्में	सोमवन, पतली, कुल्ह, कटौला
फिल्म शूटिंग स्थल	व्यास कुण्ड (मनाली)
मुख्य नदी	व्यास नदी
उद्गम स्थल	पार्वती
उपनदी	8

5. चम्बा

नामकरण	चंपावती से (चम्बा)
जिले के रूप में विकसित	15 अप्रैल, 1948
क्षेत्रफल	6528 वर्ग कि.मी.
उपमण्डल (7)	चम्बा, चुराह, पांगी, भरमौर, डलहौजी, सलूणी, भटियात
तहसीलें (8)	पांगी, भरमौर, चुराह, चम्बा, भटियात, सलुनी,डलहौजी,
उप तहसीलें (3)	होली, भलेई, धरवाला
विधानसभाई क्षेत्र (5)	भटियात, चम्बा, भरमौर, चुराह, डलहौजी
हवाई पट्टी	केलाड
सम्भावित हवाई पट्टी	बनीखेत, भरमौर
मुख्य नदियां	रावी (उद्गम स्थल) भरमौर, होली, चेनाब
औद्योगिक प्रतिष्ठान	बैरागथुल, चमेरा, सरोल
पर्यटन स्थल	डलहौजी, खजियार, भरमौर, मनी महेश, जमुहार, साहु
धार्मिक पर्यटन स्थल	खजियार, मनी महेश, भरमौर, छतराडी।
दर्रे	जालसु, साचपास, कुंगति दर्रा, पौंडरी दर्रा, चन्दु दर्रा
कृषि	मक्का, धान, राजमाह, फुलन, आलू, सेब, केसर, माह।
भाषा	चुराही, हिन्दी, भरमौरी, भटयाती, चम्बयाली
सैनिक छावनियां	डलहौजी बकलोह
कुल आबादी	5,19,080 (जनगणना 2011)
जनसंख्या घनत्व (2011)	80 व्यक्ति प्रति कि.मी.
अनु.जाति (2011)	21.51 प्रतिशत
जनजाति (2011)	26.10 प्रतिशत
साक्षरता	(2011)
कुल	पंचायतें

6. ऊना

कुल आबादी	5,21,173 (जनगणना 2011)
जिले के रूप में विकसित	1.9.1972
क्षेत्रफल	1540 वर्ग कि.मी.
उपमण्डल (4)	ऊना, अम्ब, हरोली, बंगाणा
तहसीलें (5)	ऊना, अम्ब, बंगाणा, हरोली, घनारी
उप-तहसील (5)	भरवैन, जोल, ईशपुर, डुलेहर, बिहरू कालान
विधान सभा क्षेत्र (5)	ऊना, हरोली, कुटलैहड, चिन्तपूर्णी, गगरेट
मुख्य नदी	व्यास
औद्योगिक केन्द्र	मैहतपुर, रायपुर, गगरेट, अम्ब, मुबारकपुर
धार्मिक पर्यटन स्थल	चिन्तपूर्णी, बाबा रूद्ध, डेरा बाबा वड भाग सिंह, जोगी पंगा
भाषा	हिन्दी, पंजाबी (कांगडी, पहाडी)
समुद्रतल से ऊंचाई	1,000 मी. तक
कृषि व बागवानी	चावल, गेहूं, मक्का, गन्ना, आलू, गोभी, टमाटर, अमरूद, संतरा, अंगूर।
जिला मुख्यालय	ऊना
चण्डीगढ से ऊना की दूरी	120 कि.मी.
भूमि	समतल (मैदानी)
अक्षांशीय स्थिति	31.32
जनसंख्या घनत्व (2011)	338 व्यक्ति प्रति कि.मी.
अनु. जाति (2011)	22.15 प्रतिशत
जनजाति (2011)	1.65 प्रतिशत
साक्षरता (2011)	86.53 प्रतिशत
कुल पंचायतें	234

7. मण्डी

जिले के रूप में विकसित	15 अप्रैल, 1948
क्षेत्रफल	3950 वर्ग कि.मी.
उपमण्डल (10)	मण्डी, गोहर, जोगिन्द्र नगर, सरकाघाट, सुन्दरनगर, करसोग, धर्मपुर, पद्धर, बल्ह, जन्झाली
तहसीलें (17)	मण्डी, बल्ह, थुनाग, जोå नगर, सरकाघाट, सुन्दरनगर, करसोग, पद्धर, लडभडोल, गोहर, कोटली, द्रौट, निहरी, बलद्धाडा, सन्धोल, धर्मपुर, बालीचौकी
उप तहसीलें(7)	टिक्कन, टिहरा, भडरोटा, कोटला, डैहर, चतरी, पंगना
विधान सभाई क्षेत्र (10)	धर्मपुर, जोगिन्द्र नगर, मण्डी द्रंग, करसोग, बल्ह, नाचन, सुन्दरनगर, सरकाघाट, सेराज
पैराग्लाईट केन्द्र	रेहडधार (मण्डी), बीड भंगाल (जोगिन्द्र नगर)
एच.पी.एम.सी.	जरोल (सुन्दरनगर)
फल. विधायन केन्द्र	बरसी, शानन (जोगिन्द्र नगर), डैहर, द्रंग, गुम्मा, भाम्बला, सौलीखड,
औद्योगिक प्रतिष्ठान	नेरचौक, सुन्दरनगर, भंगरोटु, चक्कर ।
सम्भावित सीमेन्ट उद्योग	(1) नालनी (सुन्दरनगर) (2) अलसिढी (करसोग)
पर्यटन स्थल	पडोह, सुन्दर नगर, गोहर, जंजैहली, तत्तापानी, रिवालसर, जोगिन्द्र नगर, बरोट, चौलचौक ।
दूरदर्शन टावर	मण्डी, चतुर भुजा, ऐजु (नैनादेवी), रिवालसर, चन्देश।
अन्तर्राष्ट्रीय टेलीफोन सुविधा	मण्डी, कोटली, सुन्दरनगर
चण्डीगढ से दूरी	160 कि.मी.
कृषि	मक्का, धान, गेहूं, दालें, तिलहन, सेब, आम, पलम, आडु, बेमौसमी सब्जी।
समुद्रतल से ऊंचाई	800 मी. से 1600 मी.
अक्षांशीय स्थिति	31.430
कुल आबादी	9,99,777 (जनगणना 2011)
जनसंख्या घनत्व (2011)	253 व्यक्ति प्रति कि.मी.
अनु.जाति (2011)	29.38 प्रतिशत
जनजाति (2011)	1.27 प्रतिशत
साक्षरता (2011)	81.53 प्रतिशत
कुल पंचायतें	355
धार्मिक स्थल	कमलाह, मोहननाग, तत्तापानी, हिनोगी, हाटेश्वरी, डैंदेवी, रिवालसर, कमरुनाग, टारनामण्डी चतुर्भुजा देवी, नवाही देवी, मच्छयाल (जोगिन्द्र नगर), बालाकामेश्वर देव (मण्डी)
गर्म पानी के चश्में	तत्तापानी–मण्डी से 150 कि.मी. शिमला– 83 कि. मी.
झीलें	रिवालसर, डायन झील (बरोट), पराशर झील, कमरु नाग झील
मुख्य नदी	व्यास नदी, उहल उपनदी, सतलुज
बांध	पण्डोह बांध
नहर	बग्गी, सुन्दरनगर
दो नदियों का संगम स्थल	सलापड (व्यास + सतलुज)
चट्टान युक्त नमक की खाने	गुम्मा व दरांग

8. शिमला

शिमला का उद्भव	1948, महासू जिले के रूप में
जिले के रूप में विकसित	1972
क्षेत्रफल	5131 वर्ग कि.मी.
उपमण्डल (8)	शिमला (शहरी), शिमला (ग्रामीण), ठियोग, रामपुर, चौपाल, डोडरा क्वार, रोहडू, कुमारसैन
तहसीलें (14)	शिमला (शहरी), शिमला (ग्रामीण) कोटखाई, सुन्नी, ठियोग, कुमारसैन, रामपुर, चौपाल,
उप–तहसीलें (9)	रोहड, चडगांव, डोडराक्वार, जुब्बल, कुपवी, नेरवा कोटगैढ, धामी, देहा, ननखडी, टिक्कर, जुब्गा, टकलेच, जलोंग,
विधानसभाई क्षेत्र (8)	शिमला (श.), शिमला

	(ग्रा.) ठियोग, ज़ुब्बल कोटखाई, चौपाल, रोहड़ू, रामपुर, कसुम्पटी
पर्यटन स्थल	शिमला, मशोबरा, कुफ्रैरी, हाटकोटी, तारादेवी, नारकण्डा, कोटी, चायल नालदेहरा, रामपुर, सराहन
रेडियो व दूरदर्शन केन्द्र	शिमला, कसौली
हवाई सेवा	ज़ुब्बल हटटी कैथू (छोटा हवाई पैंड), कल्याणी हवाई पैंड (चौंडा मैदान)
धार्मिक स्थल	भीमाकाली मन्दिर, हाटकोटी, कालीवाडी
गर्म पानी के स्रोत	अन्नुनाला
फिल्म शूटिंग स्थल	हाटु (समीप नारकण्डा) 11000 फीट
जिले की मुख्य नदी	सतलुज
जिले की उप-नदियां	पव्वार, गिरि
सेब उत्पादक क्षेत्र	कोटखाई, कोटगढ (विश्व प्रसिद्ध)
औद्योगिक केन्द्र	तारादेवी, नारकण्डा, नाथपा झाकडी, रोहडा।
ऐतिहासिक स्थल	रामपुर बुशैहर, शिमला, धामी।
कुल आबादी	8,14,010 (जनगणना 2011)
जनसंख्या घनत्व (2011)	159 व्यक्ति प्रति कि.मी.
अनु. जाति (2011)	26.50 प्रतिशत
अनु. जनजाति (2011)	1.07 प्रतिशत
साक्षरता (2011)	83.64 प्रतिशत

शिमला के इतिहास की प्रमुख तिथियां

1. केनेडी भवन का निर्माण चार्ल्स पैट केनेडी ने किया।
2. 1832 में लार्ड विलियम बैंटिंक शिमला आये।
3. 1851-52 में हिन्दोस्तान-तिब्बत मार्ग पर संजोली के समीप 560 फुट लम्बी सुरंग का निर्माण किया गया।
4. सितम्बर, 1853 में शिमला में ग्लेन के समीप पहला फैंसी मेला लगा।
5. 1857 की क्रान्ति के समय कियोंथल रियासत के शासक ने अंग्रेजों की अच्छी सेवा की।
6. शिमला को ग्रीष्मकालीन राजधानी बनाने का श्रेय लार्ड लारेंस को जाता है। उन्होंने 1863 में इसकी शुरुआत कर दी थी।
7. 1864 में शिमला, स्थाई रूप से अंग्रेजों की ग्रीष्मकालीन राजधानी बना।
8. 1883 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना का विचार सर्वप्रथम एåओå ह्यम ने शिमला से ही दिया था। उनका निवास स्थान रौथनी कैसल था।
9. अंग्रेजी शासनकाल में पीटर हाफ नामक भवन में राजनिवास था।
10. 1887 में गेटी थियेटर खुला।
11. 1888 में सर्वप्रथम विद्युत पूर्ति वाइस रीगल लहज (Vice Regal Lodge) में की गई थी।
12. 1913-14 में मैकमोहन सीमा रेखा खींचने का निर्णय शिमला में लिया गया था। (तीन पार्टियां-अंग्रेज, चीन व तिब्बत)
13. 921 में महात्मा गांधी प्रथम बार शिमला आये।
14. 1942-45 तक शिमला, प्रवासी बर्मा सरकार का मुख्यालय था।
15. 1945 को वेवल सम्मेलन शिमला में हुआ। लार्ड वेवल ने उसकी अध्यक्षता की।
16. 5 मई, 1946 को शिमला में कैबिनेट मिशन सम्मेलन हुआ।
17. 1948 में गांधी हत्याकांड का मुकदमा पीटर हाफ नामक भवन में चला।

9. लाहौल स्पीति

कुल आबादी	31,564 (जनगणना 2011)
आबादी घनत्व (2011)	2 व्यक्ति प्रति कि.मी.
लाहौल का स्थानीय नाम	गारज़ा (दक्षिणी प्रदेश)
स्पीति का स्थानीय नाम	पीति (मध्य प्रदेश)
जिले का पुनर्गठन	1 नवम्बर, 1966
जिले के रूप में विकसित	1 सितम्बर, 1972
क्षेत्रफल	13835 वर्ग किåमीå
जिला मुख्यालय	केलांग (सभी जिलों में विस्तृत)
उपमण्डल (3)	काज़ा, केलांग, उदयपुर
तहसीलें (2)	केलांग, काज़ा
उप-तहसीलें (1)	उदयपुर
विधान-सभाई क्षेत्र (1)	लाहौल-स्पीति
पर्यटन स्थल	उदयपुर, त्रिलोकनाथ, टंगरीक, केलांग, लोसर,खोकसर, दारचा, थिरोट।
प्रधान बौद्ध मठ दर्रे	लिंग, किवर, ताबो, बारालाचा, लामागुरू,कौरिक

	दर्रा (तिब्बत व चीन का मार्ग), पराग दर्रा,बारालाचा।
कृषि	आलू, हौप्स, मटर (सूखे मेवे)
हवाई पट्टी	केलांग, रंगरीक
अक्षांशीय स्थिति	32.58 डिग्री
चण्डीगढ से दूरी	536 किमी। काजा
शिमला से दूरी	402 कि.मी. काजा
चण्डीगढ से केलांग	432 कि.मी.
चण्डीगढ से रोहतांग	367 कि.मी.
मुख्य त्यौहार	हाल्हा, फागनी
अनु. जाति (2011)	7.08 प्रतिशत
जनजाति (2011)	81.44 प्रतिशत
साक्षारता (2011)	76.81 प्रतिशत
कुल पंचायतें	40 + 2
सबसे ऊंचाई वाला गांव	किब्बर 4205 मी.

10. सिरमौर

कुल आबादी	5,29,855 (जनगणना 2011)
सिरमौर रियासत के संस्थापक राजा डाक प्रकाश	राजा डाक प्रकाश
सिरमौर अस्तित्वकरण	1948
जिले के रूप में विकसित	1972
क्षेत्रफल	2825 वर्ग कि.मी.
उप-मण्डल (5)	नाहन, पांवटा साहिब, राजगढ, शिलाई, रंगडाह
तहसीलें (9)	नाहन, रंगडाह, शिलाई, पांवटा साहिब, पच्छाद, राजगढ, ददाहू, नोहराधार, कमराऊ
उप-तहसीलें (4)	रोनहाट, पझौता, नारग, हरिपुर धार।
जिला मुख्यालय	नाहन
विधान-सभाई क्षेत्र (5)	नाहन, पौंटा साहिब, पच्चाद, श्री रेणुका जी, शिलाई
पर्यटन स्थल	पौंटा साहिब, रेणुका झील, माजरा, नाहन, धौलाकुआं
ऐतिहासिक स्थल	रेणुका झील, पच्छाद, बिछौल, लखदाता पीर मजार,पुजारली
औद्योगिक स्थान	नाहन, धौलाकुंआ, माजरा, ददाहु
समुद्रतल से ऊंचाई	1,000 मी. से 3.000 मी. तक

कृषि	मक्का, अदरक, टमाटर, बैमौसमी सब्जी, सेब, आलू
अक्षांशीय स्थिति	30.45
मुख्य नदी	यमुना नदी
चण्डीगढ व शिमला से दूरी	117 कि.मी. व 12 कि.मी.
जनसंख्या घनत्व (2011)	188 व्यक्ति प्रति कि.मी.
अनु. जाति (2011)	30.13 प्रतिशत
जनजाति (2011)	2.12 प्रतिशत
साक्षारता (2011)	78.80 प्रतिशत
कुल पंचायतें	228

11. सोलन

कुल आबादी	5,80,320 (जनगणना 2011)
सोलन का अस्तित्वकरण	15 अप्रैल, 1945 (महासू जिले के रूप में)
जिले के रूप में विकसित	1 सितम्बर, 1972
क्षेत्रफल	1,936 वर्ग किमी।
उपमण्डल (4)	सोलन, नालागढ, अर्की, कण्डाघाट।
तहसीलें (6)	नालागढ, कण्डाघाट, अर्की, सोलन, कसौली, बद्दी
उप-तहसीलें (4)	रामशहर, डरलाघाट, मामलिग, कृष्णगढ
विधान-सभाई क्षेत्र (5)	दून, नालागढ, अर्की, सोलन, कसौली
जिला मुख्यालय	सोलन
औद्योगिक प्रतिष्ठान	नालागढ, डगशाई, पखाणु, कण्डाघाट, बद्दी, बरोटीवाला, पिंजौहरा
सम्भावित रेल लाईन	बुराबाला
सम्भावित हवाई जहाज मार्ग	जोहडा वाला
सीमेन्ट प्लान्ट	दाडला घाट
मुख्य पर्यटन स्थल	कसौली, सोलन, पखाणु, कण्डाघाट
दूरदर्शन प्रेषण संस्थान	कसौली
चण्डीगढ से दूरी	68 कि.मी. शिमला से 48 कि.मी.
रेल यातायात	कालका-शिमला
अक्षांशीय स्थिति	30.23 डिग्री
जनसंख्या घनत्व (2011)	300 व्यक्ति प्रति किमी।
अनुसूचित जाति (2011)	28.35 प्रतिशत
जनजाति (2011)	4.41 प्रतिशत
साक्षारता (2011)	83.68 प्रतिशत
कुल पंचायतें	211

12. हमीरपुर

हमीरपुर स्थान के संस्थापक	हमीरचन्द
प्रदेश में अस्तित्वकरण	1 नवम्बर, 1966
जिले के रूप में विकसित	1 सितम्बर, 1972
क्षेत्रफल	1,118 वर्ग कि.मी.
उपमण्डल (5)	हमीरपुर, बडसर, नादौन, भोरंज, सुजानपुर
तहसीलें (7)	हमीरपुर, बडसर, भोरंज, नादोन, सुजानपुर, बमसन, धातवाल (बिझडी)
उप-तहसीलें (2)	कांगू, गिलोर
विधान-सभाई क्षेत्र (5)	बडसर, भोरंज, नदौन, हमीरपुर, सुजानपुर
पर्यटन स्थल	टीहरा, प्राचीन (नूप किला), नन्देश्वर, गौरी शंकर, नादौन, शिव मन्दिर, गुरुद्वारा
रेडियो केन्द्र	हमीरपुर
दूरदर्शन टावर	हमीरपुर, कास्मीर
धार्मिक पर्यटन	बाबा बालकनाथ, दयोट सिद्ध हमीरपुर से 45 कि.मी., नर्वदेश्वर, गौरी शंकर, चामुण्डा, सीता-राम मन्दिर (सुजानपुर), महावीर, किला कालेश्वर (नादौन) टौणी देवी, अवाह देवी, झनियारी देवी।
अक्षांशीय स्थिति	31.42 डिग्री
चण्डीगढ व शिमला से दूरी	192 कि.मी. व 172 कि.मी.
कुल आबादी	4,54,768 (जनगणना 2011)
जनसंख्या घनत्व (2011)	407 व्यक्ति प्रति कि.मी.
अनु. जाति (2011)	24.02 प्रतिशत
जनजाति (2011)	0.66 प्रतिशत
साक्षरता (2011)	88.15 प्रतिशत
कुल पंचायतें	229

प्रदेश की प्रमुख नदियाँ

हिमाचल प्रदेश में नदियाँ, बिजली उत्पादन, मतस्य पालन, कृषि तथा बागवानी पर्यावरण के लिए अति आवश्यक है।

चार नदियाँ हिमाचल में प्रवाहित होती है, परन्तु यमुना नदी उत्तरांचल राज्य के साथ हिमाचल प्रदेश की दक्षिण- पूर्वी सीमा बनाती है। लेकिन हिमाचल में इसकी प्रमुख सहायक नदियाँ राज्य में उद्गमित होती है। यमुना नदी (कालिंदी) रू यह नदी उन्तराँचल में यमुनोत्री नामक स्थान से निकल कर श्ताजेवालाश पांवटा साहिब से हरियाणा में प्रवेश कर जाती है। यह नदी श्खद्दर माजरी गाँव से हिमाचल और उत्तराँचल की सीमा पर बहती है।

यमुना की मुख्य सहायक नदियाँ हैरू आन्धा, आसनी, गिरी, टोंस, पब्बर, जलाल, मारकंडा और बाता है।

सतलुज (शतुद्री) : यह नदी तिब्बत के पठार में स्कूस नामक झील से निकलती है। शिपकीला दर्रे को पार करके यह नदी हिमाचल में प्रवेश करती है और स्पीति नदी इसमें मिल जाती है। हिमाचल के किन्नौर, शिमला और बिलासपुर जिलों में बहती हुई यह नदी भाखडा गाँव के पास पंजाब में प्रवेश कर जाती है बास्पा, नोगली भावा और स्पीति इसकी प्रमुख सहायक नदियाँ है। यह नदी हिमाचल की सबसे बडी नदी है। इस नदी के किनारे बसे प्रमुख नगर है : कल्पा, रामपुर, सुन्नी, तत्तापानी और बिलासपुर।

व्यास (अर्जीकी या विपाशा) : इस नदी का उद्गम रोहतांग दर्रे (ब्यास कुंड) से हुआ है इसकी प्रमुख सहायक नदियाँ और खड्डे : पार्वती, बनेर, उहल, सोलंग, लूनी, सुकेती, बाणगंगा, मलाणा, ज्यूणी, सीन, हंसा, गज, मनूणी,न्यूगल आहदि है। यह नदी हिमाचल में कुल्लू, मण्डी, कांगडा और हमीरपुर में बहती हुई पंजाब में प्रवेश कर जाती है इस नदी के किनारे बसे प्रमुख नगर : मनाली, कुल्लू, बजौरा, टीहरा, सुजानपुर, नदौन और देहरा गोपीपुर है।

चिनाव (चन्द्रभागा) : यह नदी चन्द्रा और भागा दो धाराओं के संगम से बनती है। इसलिए इस नदी को हिमाचल के लाहौल-स्पीति जिले में टाण्डी नामक स्थान पर मिलकर एक बुडी नदी बन जाती है। यह नदी हिमाचल में लाहौल- स्पीति और चम्बा के पांगी क्षेत्र में बहती हुई कश्मीर में प्रवेश कर जाती है। इस नदी के किनारे बसे प्रमुख नगर उदयपुर और किल्लर है।

रावी (इरावती) : यह नदी धौलाधार श्रृंखलाओं की खड़ा भगोल बेसिन से निकलती है। हिमाचल में यह नदी चम्बा में प्रवेश करती है। चम्या नगर इस नदी के दायें किनारे पर बसा हुआ है टुन्डा-बलजेडी, साल, बोदिल, चिड़चंद, छतराणी, बैरी आदि नदी-नाले रावी नदी की सहायक नदियाँ हैं। इस नदी के किनारे बसे प्रमुख नगर : चम्बा, भरमौर और माधोपुर हैं।

प्रदेश की प्रमुख झीलें

चम्बा

खजियार झील : यह झील चम्बा और डलहौजी के बीच डलहौजी से लगभग 25 कि. मी. की दूरी पर स्थित है। खजियार को हिमाचल का छोटा स्विट्जरलैंड भी कहते हैं। इसकी लम्बाई 1.5 कि. मी. और चौड़ाई 1 कि. मी. है। इस झील के किनाने पर नाग देवता का मन्दिर स्थित है।

गडासरू झील : यह झील टीस्सा से लगभग 25 कि. मी. दूर और चम्बा से 72 कि. मी. दूर स्थित है इस झील का व्यास 1 कि. मी. है। इस झील के तट पर देवी काली का मन्दिर भी है। इस झील पर भगवान शिव और माँ शक्ति की अपार कृपा है।

लामा झील : यह झील धौलाधार पर्वत श्रृंखला में चम्बा से लगभग 45 कि. मी. की दूरी पर स्थित है जो सात छोटी-छोटी झीलों का समूह है।

मणि महेश : भरमौर से लगभग 35 कि. मी. की दूरी पर यह झील कैलाश चोटी की तलहटी में स्थित है।

महाकाली झील : महाकाली को समर्पित यह झील खजियार झील से बडी है।

चमेरा झील : चम्बा जिले में चमेरा गाँव के निकट स्थित इस झील की उत्पत्ति चमेरा परियोजना के निर्माण के कारण हुई है यह झील डलहौसी के पास स्थित है।

मण्डी

शुखसार झील : यह झील रिवालसर कस्बे के पास ऊँचे स्थान पर स्थित है।

कुमारवाह : यह एक पवित्र धार्मिक झील है जो मण्डी से लगभग 40 कि. मी. की दूरी पर स्थित है।

पराशर झील : मण्डी से लगभग 30 कि. मी. दूर स्थित इस झील में छोटे-छोटे तैरते हुए द्वीप हैं इसके किनारे पर ऋषि पराशर का पैगोडा शैली का मंदिर भी है।

रिवालसर झील : मण्डी से लगभग 25 कि. मी. की दूरी पर स्थित रिवालसर में एक सुन्दर झील है और यहाँ पर बौद्ध धर्म स्थल, मन्दिर और गुरुद्वारा भी है। गुरु गोबिन्द सिंह, लोमास ऋषि और पद्म सम्भव ने इस स्थान को पवित्र किया था। इस झील में भी तैरते हुए द्वीप हैं।

कुन्त भ्योग झील : यह झील रिवालसर कस्बे की पहाडी की चोटी पर स्थित है।

कुल्लू

भृगु : यह झील रोहतांग दर्रे के समीप स्थित है।

धारदर : यह झील मनाली के समीप स्थथित है।

सलसार : यह झील जलोटी के समीप स्थित है।

सरवालसर झील : यह झील जलोरी दर्रे के समीप स्थित है।

पन्डोह झील : इस शील की उत्पत्ति पन्डोह बाँध के निर्माण के कारण हुई है। यह झील कुल्लू जिले में औट के पास स्थित है।

कांगडा

डल झील : यह झील धर्मशाला से लगभग 10 कि. मी. की दूरी पर स्थित है। इसे भगसूनाग झील के नाम से भी जाना जाता है।

कारेरी झील : यह शील धर्मशाला से लगभग 35 कि. मी. की दूरी पर स्थित है।

लाहौल

चन्द्रताल : यह चन्द्रा नदी का उद्गम स्थल है सर्दियों में यह झील जम जाती है। यह झील बाराचल दर्रे के किनारे पर स्थित है।

सूरजताल : यह झील भागा नदी का उद्गम स्थल है और बाराचल दर्रे के दूसरे छोर पर स्थित है।

कम्प्यूटर

MTNL : Mahanagar Telephone Nigam limited

- NICNET : National Informatics centre Network
- NIU : Network interface Unit
- NTSC : National television standards committee
- OCR : Optical character recognition
- OMR : Optical Mark Reader
- OOP : Object oriented programming
- OS: Operating system
- OSS : Open source software
- PAL : Phase alternation Line
- PC : Personal computer
- PCB : Printed circuit board
- PCI : Peripheral component interconnect
- PDA : Personal digital Assistant
- PDF : Portable document format
- PL/I : Programming language 1
- PM: Phase modulation
- POST : Power on self test
- PPM : Pages per minute
  Prolog : Programming in logie
- PROM : Programmable Read only Memory
- PSTN : Public switched telephone network
- QAS : Quality assurance service
- RAM : random access memory
- RGB : Red, Green, blue
- ROM : Read only Memory

- RPG: Report program generator
- RS-232: Recommended standard 2-3-2
- SCSI : Small computer system interface
- SEQUEL : Structurea English quer Language
- SIMM: Single in line memory module
- SSI : small scale integration
- SVGA : Super Video graphics arary
- TB: Tera byte
- TCP: Transmission control protocol
- TDM : Time division multiplexing
- ULSI : Ultra large scale Integration

- UNIVAC: Universal Automatic computer
- UPS : Unintermupted power supply
- URL: Uniform resource locater
- USB : Universal serial bus
- UVEprom : Ultra violet erasable programmable read only
- memory
- VAN : Value aided network
- VCR: Video cassette recorder
- VDU: Video display unit
- VGA : Video graphics array
- Virus : Vital information resources under seize
- VLSI : Very lage scle integration
- VSNL: Videsh sanchar nigam limited.
- WAN : Wide area network
- WaP : Wireless application Protocol
- WLL : Wirciess local loop
- WMP: Windows media player
- WORM : Write once - read many
- www: World wide web
- XMS : Extended memory specification
- 2G : Second generation wireless networking
- 3G: Third generation wireless networking technology

Most Important Computer Shortcut Key
Computer Basic Shortcut Keys

- Alt +F- File menu options in current program
- Alt + E- Edit options in current program
- F1 - Universal help (for all programs)
- Ctrl + A- Select all text
- Ctrl + X- Cut selected item
- Shift + Del - Cut selected item
- Ctrl + C - Copy selected item
- Ctrl + Ins - Copy selected item
- Ctrl + V - Paste
- Shift + Ins - Paste
- Home – Go to beginning of current Tine
- Ctrl + Home - Go to beginning of document
- End - Go to end of current line
- Ctrl + End - Go to end of document
- Shift + Home – Highlight from current position to beginning of line
- Shift + End - Highlight from current position to end of line

Microsoft Windows Shortcut Keys

- Alt + Tab - Switch between open applications
- Alt + Print Sereen - Create screenshot for current program
- Ctrl + Alt + Del – Open task manager
- Ctrl + Ese - Bring up start menu
- Alt + Ese - Switch between applications on taskbar
- F2- Rename selected icon
- F3- Start find from desktop
- F4- Open the drive selection when browsing
- F5- Refresh contents
- Alt + F4- Close current open program
- Ctrl + F4- Close window in program
- Alt + Enter - Open properties
- Shift + Del - Delete programs/files permancently

Microsoft Word Shortcut Keys

- Ctrl +A- Scelect all contents of the page
- Ctrl + B- Bold highlighted selection
- Ctrl +C-Copy selected text
- Ctrl +X-Cut selected text
- Ctrl +N-Open new/blank document
- Ctrl +0-Open options
- Ctrl +P-Open the print window
- Ctrl +F-Open find box
- Ctrl +1- Italicize highlighted selection
- Ctrl +K- Insert link
- Ctrl +U-Underline highlighted selection
- Ctrl +V- Paste
- Ctrl +Y- Redo the last action performed
- Ctrl +Z-Undo last action
- Ctrl +G-Find and replace options
- Ctrl +H- Find and replace options
- Ctrl +J-Justify paragraph alignment
- Ctrl +L- Align selected text or line to the left
- Ctrl +E- Align selected text or line to the center
- Ctrl +R-Align selected text or line to the right
- Ctrl + M- Indent the paragraph
- Ctrl +T- Hanging indent
- Ctrl +D- Font options
- Ctrl + Shift + F - Change the font
- Ctrl + Del - Delete word to right of cursor
- Ctrl + Backspace - Delete word to left of cursor
- Ctrl + End - Move cursor to end of document
- Ctrl + Home – Move cursor to beginning of document
- Ctrl +1- Single-space lines
- Ctrl +2-Double-space lines
- Ctrl +5-1.5-line spacing
- Ctrl + Alt +1-Change text to heading 1
- Ctrl + Alt +2-Change text to heading 2
- Ctrl + Alt +3-Change text to heading 3
- F1- Open help
- Shift + F3 - Change case of selected text
- Shift + Insert - Paste
- F7- Spell check selected text

- F12- Save as
- Ctrl +S- Save
- Shift + F12 - Save
- Alt + Shift + D – Insert the current date
- Alt + Shift + T- Insert the current time
- Ctrl + W - Close document

Microsoft Excel Shortcut Keys

- F2- Edit the selected cell
- FS - Go to a specific cell
- F7- Spell check selected text or document
- FII - Create chart
- Ctrl + Shift +;- Enter the current time
- Ctrl +;- Enter the current date
- Alt + Shift + FI - Insert new worksheet
- Shift + F3 - Open the Excel® formula window
- Shift + F5 - Bring up search box
- Ctrl + A- Select all contents of worksheet
- Ctrl + B– Bold highlighted selection
- Ctrl +1- Italicize highlighted selection
- Ctrl +C- Copy selected text
- Ctrl + V - Paste
- Ctrl + D- Fill
- Ctrl + K- Insert link
- Ctrl + F- Open find and replace options
- Ctrl + G- Open go-to options
- Ctrl + H-Open find and replace options
- Ctrl + U- Underline highlighted selection
- Ctrl + 0-Open options
- Ctrl + N- Open new document
- Ctrl + P- Open print dialog box
- Ctrl +S- Save
- Ctrl + Z- Undo last action
- Ctrl + F9 – Minimize current window
- Ctrl + F10 – Maximize currently selected window
- Ctrl + Page up & Page Down – Move between Excel® worksheets in the same document
- Ctrl + Tab – Move between two or more open ExcelE files

- Alt +=- Create formula to sum all of above cells
- Ctrl + Space – Select entire column
- Shift + Space – Select entire row
- Ctrl + W - Close document